''उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन''

अनूप कुमार खरे
शोध छात्र
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)

शोध सारांश -

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शोध के लिए लिए टीकमगढ़ जिले से शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 अध्यापकों का चयन किया गया है इसमें 150 पुरुष अध्यापक एवं 150 महिला अध्यापक हैं। संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करने के लिए डॉ एस0 के0 मंगलम एवं श्रीमति शुभ्रा मंगलम द्वारा निर्मित " संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी " का प्रयोग किया गया है। तथ्यों का विश्लेषण मध्यमान , मानक विचलन एवं टी. परीक्षण द्वारा किया गया है। अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तावना -

संवेगात्मक बुद्धि हमें यह बताती है कि विपरीत परिस्थितियों में किस प्रकार सयंमित रहा जाये।संवेगात्मक बुद्धि विद्यालय और कार्यक्षेत्र में सफलता को निर्धारित करती है। कार्य क्षेत्र में संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति की सामूहिक रूप से सहयोग करने तथा साथ-साथ सीखने में, अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सहायता प्रदान करती है। सामान्य रूप में यह जीवन के प्रत्येक आयाम में लाभदायक सिद्ध होती है। संवेगात्मक बुद्धि के धनी लोग अच्छे सकारात्मक, सकारात्मक, सामाजिक सम्बन्ध दूसरों के साथ बना लेते है।

परिभाषा –

गोलमैन के अनुसार - "संवेगात्मक बुद्धि अपने तथा दूसरों के भावो को पहचानने की क्षमता तथा अपने आप को अभिप्रेररित करके तथा अपने अपने संबंधों में संबेग को प्रबंधित करने की की क्षमता है। संबेगात्मक बुद्धि द्वारा उन क्षमताओं का वर्णन होता जो शैक्षिक बुद्धि या

बुद्धिलब्धि द्वारा मापे जाने वाले पूर्णतः संज्ञानत्मक क्षमताओं से भिन्न परन्तु उसके पूरक होते है।"

अध्ययन के उद्देश्य -

1. शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनायें -

1. शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उपकरण –

प्रस्तुत अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि के मापने के लिए डॉ एस0 के0 मंगलम एवं श्रीमति श्रीमति शुभ्रा मंगलम द्वारा निर्मित " संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी " का प्रयोग किया गया है। इस प्रश्नावली में 100 प्रश्न है।

न्यादर्श –

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत टीकमगढ़ जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 अध्यापकों को सम्मिलित किया गया है इसमें 150 पुरुष अध्यापक एवं 150 महिला अध्यापक हैं।

शोध विधि –

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का सारणीयन –

सरणी क्रमांक - 1

शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	क्षेत्र	शासकीय पुरुष अध्यापक N-150		शासकीय महिला अध्यापक N-150		सी आर का मान	सार्थकता स्तर	
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		0.05	0.01
1	संवेगात्मक बुद्धि	71.45	10.15	72.71	9.21	0.47	सार्थक अंतर नहीं है	सार्थक अंतर नहीं है
df- 298								

सारणी क्रमांक 1 में शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का क्रांतिक अनुपात 0. 47 पाया गया है। अर्थात निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः दोनों का स्तर सामान है।

सरणी क्रमांक - 2

अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	क्षेत्र	अशासकीय पुरुष अध्यापक N-150		अशासकीय महिला अध्यापक N-150		सी आर का मान	सार्थकता स्तर	
		मध्यमान	मानक विचलन विचलन	मध्यमान	मानक विचलन विचलन		0.05	0.01
1	संवेगात्मक बुद्धि	71.36	10.35	36.56	12.14	0.78	सार्थक अंतर नहीं है	सार्थक अंतर नहीं है
df- 298								

सारणी क्रमांक 2 में अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का क्रांतिक अनुपात 0.78 पाया गया है। अर्थात निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः दोनों का स्तर सामान है।

निष्कर्ष -

1 शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

2 अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची -

1 कपिल एच के - सांख्यकीय के मूलतत्व, विनोद पुस्तक भंडार आगरा।

2 मंगल एस के - शिक्षा मनोविज्ञान, पी एच आई लर्निंग प्राइवेट लिमटेड, नई दिल्ली।

3 पाठक पी डी - शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक भंडार आगरा।

4 गोलमैन डेनियल - संवेगात्मक बुद्धि के साथ काम करना, न्यूयार्क पेंटम बुक्स।

SHODH
SAHITYA
शोध साहित्य